अनुच्छेद लेखन

परिश्रम का महत्व

परिश्रम मानव जीवन का सबसे बड़ा गुण है। बिना परिश्रम के मनुष्य अपने जीवन में कोई सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। परिश्रम से ही मनुष्य अपनी क्षमताओं को विकसित करता है और कठिनाइयों पर विजय पाता है। आलसी व्यक्ति सदा दूसरों पर निर्भर रहता है और समाज में उसका कोई सम्मान नहीं होता। यदि हम इतिहास पर दृष्टि डालें, तो पाएँगे कि महान वैज्ञानिक, लेखक, कवि और नेता सभी ने कठोर परिश्रम करके ही उच्च स्थान प्राप्त किया है। प्रकृति भी हमें परिश्रम का संदेश देती है। सूरज प्रतिदिन उगता है और संसार को प्रकाश देता है। मधुमक्खियाँ दिन-रात परिश्रम करके मधु एकत्रित करती हैं। खेतों में किसान मेहनत करता है, तभी हमें अन्न मिलता है। यदि वे परिश्रम न करें, तो हमारा जीवन कठिन हो जाए। कहा भी गया है – "परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।" परिश्रमी व्यक्ति कभी हार नहीं मानता और निरंतर प्रयास करता रहता है। चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, परिश्रमशील व्यक्ति अंत में विजय अवश्य प्राप्त करता है। इसलिए हमें आलस्य छोड़कर सदैव परिश्रम को ही अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए। यही सच्चे सुख और सफलता का रहस्य है।